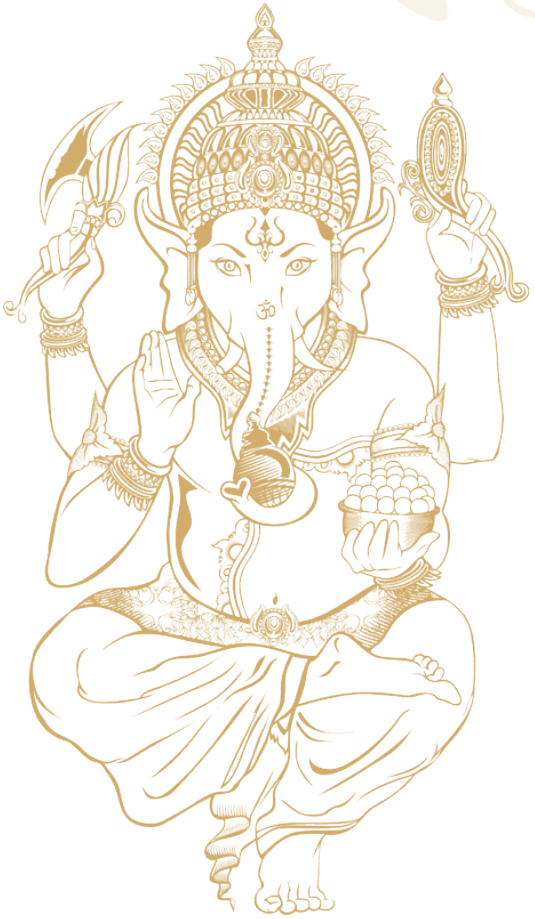

Dalima

01 Nov 1999

05:05 PM

Rewari

Model: web-freekundliweb

Order No: 120246702

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/11/1999**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**17:05:00 घंटे**
इष्ट	26:15:39 घटी
स्थान	**Rewari**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:11:00 उत्तर
रेखांश	76:37:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:41:28 घंटे
वेलान्तर	00:16:26 घंटे
साम्पातिक काल	19:22:44 घंटे
सूर्योदय	06:34:44 घंटे
सूर्यास्त	17:39:23 घंटे
दिनमान	11:04:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	14:44:38 तुला
लग्न के अंश	04:50:38 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुक्ल
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डो-डौली
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	04:50:38	478:34:29	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	---
सूर्य			तुला	14:44:38	01:00:02	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	नीच राशि
चंद्र			कर्क	27:00:37	13:21:52	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	स्वराशि
मंगल			धनु	17:25:57	00:44:31	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	07:01:03	00:26:51	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
गुरु	व		मेष	04:54:33	00:07:53	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	28:15:41	01:00:40	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	20:15:38	00:04:49	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	14:41:19	00:00:32	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	14:41:19	00:00:32	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:02:54	00:00:28	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	07:49:55	00:00:37	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	15:18:33	00:02:05	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			धनु	25:15:05	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:02

लग्न-चलित

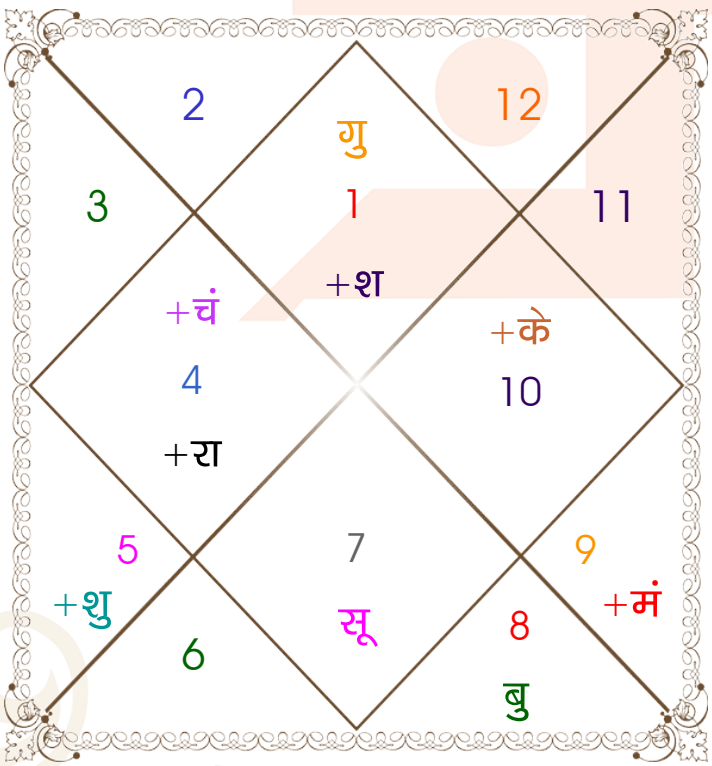

चन्द्र कुंडली

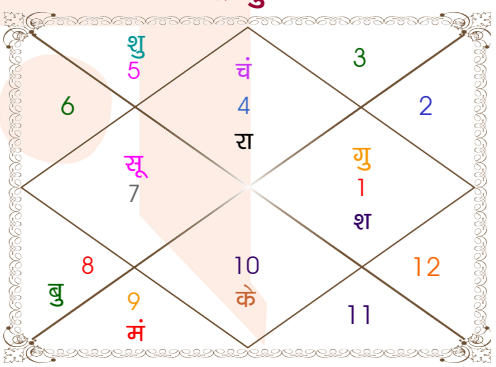

नवमांश कुंडली

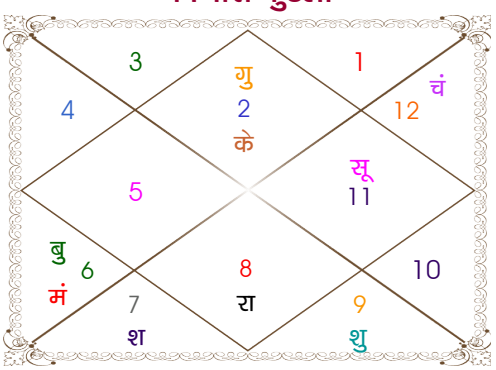

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 3 वर्ष 9 मास 22 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/11/1999		25/08/2003		24/08/2010		24/08/2030		24/08/2036	
25/08/2003		24/08/2010		24/08/2030		24/08/2036		24/08/2046	
	00/00/0000	केतु	21/01/2004	शुक्र	24/12/2013	सूर्य	12/12/2030	चंद्र	24/06/2037
	00/00/0000	शुक्र	22/03/2005	सूर्य	24/12/2014	चंद्र	12/06/2031	मंगल	23/01/2038
	00/00/0000	सूर्य	28/07/2005	चंद्र	24/08/2016	मंगल	18/10/2031	राहु	25/07/2039
	00/00/0000	चंद्र	26/02/2006	मंगल	24/10/2017	राहु	11/09/2032	गुरु	23/11/2040
	00/00/0000	मंगल	25/07/2006	राहु	24/10/2020	गुरु	30/06/2033	शनि	24/06/2042
	00/00/0000	राहु	12/08/2007	गुरु	25/06/2023	शनि	12/06/2034	बुध	24/11/2043
	01/11/1999	गुरु	18/07/2008	शनि	24/08/2026	बुध	19/04/2035	केतु	24/06/2044
गुरु	14/12/2000	शनि	27/08/2009	बुध	24/06/2029	केतु	25/08/2035	शुक्र	23/02/2046
शनि	25/08/2003	बुध	24/08/2010	केतु	24/08/2030	शुक्र	24/08/2036	सूर्य	24/08/2046

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
24/08/2046		24/08/2053		25/08/2071		25/08/2087		25/08/2106	
24/08/2053		25/08/2071		25/08/2087		25/08/2106		00/00/0000	
मंगल	20/01/2047	राहु	06/05/2056	गुरु	12/10/2073	शनि	27/08/2090	बुध	21/01/2109
राहु	08/02/2048	गुरु	30/09/2058	शनि	24/04/2076	बुध	06/05/2093	केतु	18/01/2110
गुरु	14/01/2049	शनि	06/08/2061	बुध	31/07/2078	केतु	15/06/2094	शुक्र	18/11/2112
शनि	23/02/2050	बुध	23/02/2064	केतु	07/07/2079	शुक्र	15/08/2097	सूर्य	24/09/2113
बुध	20/02/2051	केतु	13/03/2065	शुक्र	07/03/2082	सूर्य	28/07/2098	चंद्र	24/02/2115
केतु	19/07/2051	शुक्र	12/03/2068	सूर्य	24/12/2082	चंद्र	26/02/2100	मंगल	21/02/2116
शुक्र	17/09/2052	सूर्य	04/02/2069	चंद्र	24/04/2084	मंगल	07/04/2101	राहु	10/09/2118
सूर्य	23/01/2053	चंद्र	06/08/2070	मंगल	31/03/2085	राहु	12/02/2104	गुरु	02/11/2119
चंद्र	24/08/2053	मंगल	25/08/2071	राहु	25/08/2087	गुरु	25/08/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 3 वर्ष 10 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं बृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाली, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाली और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाली लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति की प्राणी है।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करती हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति को विचार को स्वीकार नहीं करती हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करती हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाली हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानती हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करती।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करती तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देती हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाती है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करती हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चात्ताप का श्रेय दूसरो पर देती तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देती हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी प्राणी हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाती हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहती हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप ईमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेती हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देती है तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करती हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेती हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। यद्यपि आपके पति आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करते है। ऐसा संभाव्य है कि आप अपने पति की विशेषताओं पर अमल करने लगे।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगी। यह दृष्टिगोचर हो रहा है कि यदि आप पूर्ण सर्तकता से वाहन नही चलाए या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना की शिकार हो सकती हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आपने अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किया तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग की अथवा पक्षाघात की शिकार हो सकती हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करती रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहारी भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगी अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगी तो आपके संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगी तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगी और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन की बचत नियमित करें जो आपकी संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।